



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 42] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 17, 1987 (आश्विन 25, 1909)

No. 42] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 17, 1987 (ASAVINA 25, 1909)

इस भाग में फ़िल्स पृष्ठ हाँड़ा की जाती है जिससे कि यह इसका संकलन वे क्षम में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate Compilation)

भाग III—खण्ड 4

[PART III—SECTION 4]

विविध विज्ञायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिसमें कि आवेदन, विज्ञापन और सूचना सम्बंधित हैं

[Miscellaneous Notifications Including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

शहरी बैंक विभाग

“दि आर्कोड”, विषय व्यापार केन्द्र

बम्बई-400005, दिनांक 25 सितम्बर 1987

संदर्भ: यू० बी० डी० सं० आर० ई० एच० 192/डी० 4-
(268)-85/86—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की
धारा 56 के खण्ड (थथ) के साथ पठित धारा 24 के द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक एतद्वारा यह
घोषित करता है कि उक्त अधिनियम की धारा 56 के साथ पठित
धारा 18 और 24 के प्रावधान विक्रम को०-आपरेटिव बैंक लि०,
अहमदाबाद पर कालूपुर कर्मियत को०-आपरेटिव बैंक लि० से
उसके द्वारा लिए गए उधारों संबंधी देयनामों के मामले में दिनांक
30 जून, 1988 तक लागू नहीं होंगे।

बी० एत० जैन,
मुख्य अधिकारी

ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स

(कामिक विभाग)

प्रधान कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 25 अगस्त 1987

सं. 3901—बैंककारी कम्पनी (उपकरणों का अधिग्रहण
और अन्तरण) अधिनियम 1970 (1970 का 5) द्वारा प्रदत्त
शक्तियों का प्रयोग करते हुए ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स का निदेशक
मण्डल, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श से श्रीर केन्द्रीय
सरकार के पूर्वानुमोदन से ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स
(अधिकारी) सेवा विनियम 1982 में और आगे संशोधन करने
के लिए, एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है।

2. संक्षिप्त परीक्षक श्रीर प्रारम्भ :—(1) इन विनियमों का
नाम ओरियन्टल बैंक ऑफ कॉमर्स (अधिकारी) सेवा (संशोधन)
विनियम 1982 होगा।

(2) ये विनियम भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की
तारीख से लागू होंगे।

3. विनियम 5 में संशोधन

(I) विनियम 5 (1) के अन्त में निम्नलिखित परन्तुक
जोड़ा गया समाप्त जाए :—“परन्तु 1-1-1985 की ओर इस

तारीख से, कनिष्ठ प्रबंध ग्रेड स्केल—I और मध्यम प्रबंध ग्रेड स्केल-II और III के न अधिकारियों को, जो अपने वेतनमान की उच्चतम सीमा पर पहुंच चुके हों, उनके स्केल की उच्चतम सीमा पर पहुंचने के बाद सेवा के प्रत्येक 5 वर्ष पूरे करने पर, अन्तिम वेतनवृद्धि के ब्रावोर पदोन्नति अवरोध वेतनवृद्धियां दी जाएँगी जो कनिष्ठ प्रबंध ग्रेड स्केल—I के अधिकारियों के लिए ऐसी दो वेतनवृद्धियों और मध्यम प्रबंध ग्रेड स्केल-II और III के अधिकारियों के लिए ऐसी एक वेतनवृद्धि से अधिक नहीं होगी।”

ऐसे अधिकारियों के मामले में, जिन्होंने अपने वेतनमान की उच्चतम सीमा पर 5 वर्ष से अधिक सेवा पूरी कर ली हो, ऐसी पहली पदोन्नति अवरोध वेतनवृद्धियां दी जाएँगी, परन्तु ऐसी दूसरी वेतनवृद्धि उन पात्र अधिकारियों को दी जाएँगी जो 1 जनवरी, 1987 से पहले पात्र न बने हों।”

(II) विनियम 5 (2) के अन्त में निम्नलिखित परन्तु का जोड़ा गया समझा जाएः—

“परन्तु 1-2-1984 को और इस तारीख से, जो अधिकारी अपने वेतनमान की उच्चतम सीमा पर पहुंच चुके हों, उन्हें वेतनमान की उच्चतम सीमा पर एक वर्ष पूरा करने के बाद सी०ए०आई०आई०बी० परीक्षा का भाग-I उत्तीर्ण करने के लिए 100/- रुपए प्रतिमाह और वेतनमान की उच्चतम सीमा पर दो वर्ष पूरे करने के बाद सी०ए०आई०आई०बी० परीक्षा के दोनों भाग उत्तीर्ण करने के लिए 200/-रु. प्रतिमाह का व्यावसायिक योग्यता भत्ता दिया जाएगा।”

विनियम 22 में संशोधन

विनियम 22 (2) के स्थान पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित समझा जाए—

1-2-1984 को और इस तारीख से, जहां किसी अधिकारी को बैंक द्वारा आवासीय सुविधा नहीं दी गई हो, तो वह, जिस वेतनमान में उसे रखा गया है, उस वेतनमान के पहले चरण में मूल वेतन के 10% से अधिक गणि, जो उसके द्वारा आवास हेतु वस्तुतः प्रदत्त की गई हो, के ब्रावोर राशि का मकान किराया भत्ता पाने का हकदार होगा। यह राशि निम्नलिखित दरों के तहत दी जाएँगी—

जहां कार्यस्थल निम्नलिखित में से एक हों देय मकान किराया भत्ता

| 1 | 2 |
|--|--|
| 1. सरकार के मार्गनिंदेंशों के अनुसार मण्डल द्वारा समय-समय पर विनियोगित किए गए “क” श्रेणी के शहर और समूह “क” के केन्द्र | मूल वेतन का 17½% परन्तु अधिकतम 500/-रु. प्रतिमाह |
| 2. उपर्युक्त (1) में सम्मिलित न किए गए क्षेत्र-I और समूह “ब” के परियोजना क्षेत्र के केन्द्र | मूल वेतन का 15% परन्तु अधिकतम 400/-रु. प्रतिमाह |

| 1 | 2 |
|--|---|
| 3. क्षेत्र-II और राज्य राजधानियां और संघ राज्य की राजधानियां जो ऊपर (I) और (II) में शामिल नहीं हों | मूल वेतन का 12½% परन्तु, अधिकतम 300/-रु. प्रतिमाह |
| 4. क्षेत्र-III | मूल वेतन का 10% परन्तु अधिकतम 250/-रु. प्रतिमाह |

टिप्पणी : उपर्युक्तानुसार मकान किराया भत्ता किराए की रसीदें प्रस्तुत करने पर दिया जाएगा। इसके अलावा, अधिकारी प्रमाण-पत्र के आधार पर भी उपर्युक्त दरों पर मकान किराए का दावा कर सकता है जो अधिकतम मकान निम्नानुसार होगा—

| | |
|--|--------------------|
| प्रमुख “क” श्रेणी के शहर एवं समूह “क” के परियोजना क्षेत्र के केन्द्र | अधिकतम 275/-रु |
| क्षेत्र-I के अन्य स्थल और समूह “ब” के परियोजना क्षेत्र के केन्द्र | अधिकतम 225/-रु |
| क्षेत्र-II और राज्य राजधानियों एवं संघ राज्य क्षेत्रों की राजधानियां | अधिकतम 165/-रु |
| क्षेत्र-III | 110/-रु. (निम्नित) |

विनियम 23 में संशोधन

(I) विनियम 23 (IV) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित समझा जाए—

“1-1-1987 को और इस तारीख से, यदि कोई अधिकारी शैक्षणिक वर्ष के बीच एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित कर दिया जाए और यदि उसके एक या एक से अधिक बच्चे पिछले स्थान पर स्कूल या कालेज में पढ़ रहे हों, तो शैक्षणिक वर्ष के बीच स्थानान्तरित होने पर उसे 150/-रु. प्रतिमाह का भत्ता, दूसरे स्थान पर रिपोर्ट करने की तारीख से शैक्षणिक वर्ष की समाप्ति तक सभी बच्चों के लिए दिया जाएगा। परन्तु, सभी बच्चे पिछले स्थान पर अपनी पढ़ाई बन्द कर दें तो उस स्थान में वह भत्ता बन्द कर दिया जाएगा।”

(II) विनियम 23 (VI) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित समझा जाए—

“1-1-1985 को और इस तारीख से, यदि उससे एक बार कम से कम 7 दिन के लिए किसी उच्चतर स्केल के किसी पद पर स्थानान्तरण से कार्य कराया जाए तो वह अपने मूल वेतन के 10% के ब्रावोर स्थानान्तरण भत्ता पाने का हकदार होगा जो उस अवधि के

लिए अधिकतम 250/-/रु० प्रतिमाह होगा जिसके लिए उसने स्थानापन्न रूप से कार्य किया हो। स्थानापन्न भत्ते को भविष्य निधि के प्रयोजन के लिए वेतन माना जाएगा किन्तु अन्य प्रयोजनों के लिए नहीं।

परन्तु, यदि कोई अधिकारी विनियम 6 के अन्तर्गत एकमात्र पदों के वर्गीकरण के पुनरीक्षण के परिणामस्वरूप किसी उच्चतर ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए आता है तो जिस तारीख को वर्गीकरण का पुनरीक्षण किया जाएगा, उस तारीख से वह एक वर्ष की अवधि तक स्थानापन्न भत्ते का पात्र नहीं होगा।"

(III) विनियम 23 (X) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित समझा जाएः—

"1-1-1985 को और इस तारीख से, यदि वह नीचे सारणी के कालम-1 में उल्लिखित स्थान पर कार्य कर रहा है तो उस स्थान के लिए उस सारणी के कालम-2 में उल्लिखित दर पर पहाड़ एवं इधन भत्ता :—

सारणी

| स्थान | दर |
|--|---|
| जो अधिकारी माध्य समुद्री सतह से ऊपर 1500 मीटर और इससे अधिक ऊंचाई पर हों | वेतन का 10% परन्तु, अधिकतम 130/-/रु० प्रतिमाह |
| जो अधिकारी माध्य समुद्री सतह से ऊपर 1000 मीटर और इससे अधिक परन्तु 1500 मीटर से कम ऊंचाई पर हों | वेतन का 8% परन्तु अधिकतम 100/-/रु० प्रतिमाह |

विनियम 42 में संशोधन

(I) विनियम 42 (2) (II) निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित समझा जाएः—

"1-1-1987 को और इस तारीख से, यदि पूरे माल डिब्बे का पात्र अधिकारी, रेलवे द्वारा दी जाने वाली "डिब्बा सेवा" की सुविधा का लाभ उठाता है, तो कनिष्ठ या मध्यम प्रबंध ग्रेड में होने पर उसे एक डिब्बे के और यदि वह वरिष्ठ या सर्वोच्च प्रबंध ग्रेड के हैं तो उसे दो डिब्बों के वास्तविक खर्च की प्रतिपूर्ति की जाएगी। यदि रेल द्वारा सम्बद्ध दो स्थानों के बीच सामान सङ्कर परिवहन द्वारा ले जाया जाता है तो बिल प्रस्तुत किए जाने पर वास्तविक माल भाड़े की प्रतिपूर्ति की जाएगी बशर्ते कि यह खर्च माल को रेलगाड़ी द्वारा ले जाए जाने पर अनुमत्य अधिकतम सात्रा पर आने वाले खर्च से अधिक न हो। यदि तैनाती के पिछले या नए स्थान पर रेलवे स्टेशन या रेलवे से सम्बद्ध एजेन्सी न हो तो अधिकारी को निकटतम रेलवे स्टेशन या रेलवे से सम्बद्ध एजेन्सी तक सङ्कर द्वारा सामान ले जाने के लिए वास्तविक खर्च का भुगतान किया जाएगा यदि दोनों ही स्थानों पर रेलवे स्टेशन या रेलवे से सम्बद्ध एजेन्सी न हो तो अधिकारी को किसी अनुमोदित परिवहन प्रचालक द्वारा निर्धारित भार तक का सामान सङ्कर से ले जाए जाने पर किया गया वास्तविक खर्च दिया जाएगा।"

(II) विनियम 42 (3) निम्न से प्रतिस्थापित समझा जाएः—

"1-1-1987 को तथा इस तारीख से स्थानान्तरित होने पर अधिकारी, पैकिंग, स्थानीय परिवहन तथा सामान के बीमा आदि के संबंध में किए गए खर्चों के लिए नीचे दिए अनुभार एक-मुश्त राशि प्राप्त करने का पात्र होगा।

| ग्रेड | एक मुश्त राशि |
|---|---------------|
| सर्वोच्च प्रबंध वर्ग तथा वरिष्ठ प्रबंध वर्ग | 1500/- रु० |
| मध्यम प्रबंध वर्ग तथा कनिष्ठ प्रबंध वर्ग | 1000/- रु० |

विनियम 24 में संशोधन

विनियम 24(1) (ब) में खंड (IV) के पश्चात खण्ड (V) निम्नानुसार जोड़ा जाएः—

"1-1-1987 को तथा इसी तारीख में जहा मान्यताप्राप्त अस्पताल प्राधिकारियों तथा बैंक का चिकित्सा अधिकारी द्वारा यह प्रभागित कर दिया जाए कि निम्नलिखित बीमारियों के संबंध में, जिनमें अस्पताल में रह कर उपचार करवाए जाने की आवश्यकता है किए गए खर्च को अस्पतालीकरण व्यय माना जाएगा और अधिकारी के मामले में 75% तक तथा उसके परिवार के सदस्य के मामले में 50% तक के खर्चों की प्रतिपूर्ति की जाएगी।

कैमर, तपेड़िक, लकड़ा, हृदयरीण, रसौली, चैचक, प्लूरिसी, डिप्थिरिया, कुष्ठ रोग, गुर्दे की बीमारी।

विनियम (44) में संशोधन

विनियम 44(II) निम्न से प्रस्थापित समझा जाएः—

"1-1-1987 को तथा इस तारीख से चार वर्ष में एक बार जब कोई अधिकारी छुट्टी यात्रा रियायत लेता है तो उसे एक बार में अधिकतम एक महीने की अपनी साधिकार छुट्टी छोड़कर उसके बदले धन लेने की अनुमति दी जा सकती है। इस प्रकार, छुट्टी के बदले कोई धन के प्रयोजनार्थ, उस माह के लिए देय सम्पूर्ण परिलक्षियां अनुमत्य होंगी जिसके लिए छुट्टी यात्रा रियायत दी गई हो।"

परन्तु किसी अधिकारी को प्रधानमंत्री राहत निधि में दान करने हेतु अपनी एक दिन की साधिकार छुट्टी के बदले धन लेने की अनुमति दी जाएगी अर्थात् कि वह बैंक को इस आवश्य का पत्र दे जिसमें उक्त राशि इस निधि में भेजने के लिए बैंक को प्राधिकृत किया गया हो।"

प्रो० पी० महाजन,
मुख्य प्रबंधक (कार्मिक)

दी इन्स्टीट्यूट एकॉर्ट चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स ऑफ इन्डिया

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1987

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० नं०-३-सी० सी० ए० (8)/ 8/87-88—रेग्युलेशन 10(1) की धारा (2) चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स के रेग्युलेशन 1964 के अनुसार एतद द्वारा सूचना दी जाती है कि असावधानी के कारण श्री अशोक भविष्य (सदस्यता सं० 72319), 18131, कौशलपुरी, बम्बा रोड, कानपुर-208012 को जारी किया गया कार्य करने का प्रमाण पत्र दिनांक 28 जुलाई, 1986 से रद्द किया गया है।

दिनांक 25 सितम्बर 1987

शुद्धि पत्र

सं० ३-ई० सी० ए० (5)/7/87-88—निर्धारित सदस्यता शुल्क जमा न कराने के कारण दिनांक 1-8-1986 से नाम हटाने के लिए जारी की गई अधिसूचना नं० ३-ई० सी० ए० (4)/10/86-87 दिनांक 27-2-1987, जिसमें श्री प्रबीर कुमार दाम (सदस्यता संख्या 13618), 309, बी० बी० गांगुली स्ट्रीट, कलकत्ता-700012, का नाम क्रमांक 18 पर लिखा गया था, अब हटाया हुआ माना जाए। इसके फलस्वरूप श्री प्रबीर कुमार दाम का नाम बिना किसी विवधान के दिनांक 1 अगस्त, 1986 से सदस्यता रजिस्टर में निरल्तर जारी माना जाए।

सं० ३-ई० सी० ए० (5)/8/87-88—निर्धारित सदस्यता शुल्क जमा न कराने के कारण दिनांक 1-8-1981 से नाम हटाने के लिए जारी की गई अधिसूचना नं० ४-ई० सी० ए० (3)/82-83 दिनांक 13-8-1982, जिसमें श्री एन० एन० विनी (सदस्यता संख्या 15769), 75-बी०, सनीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता-700026, का नाम क्रमांक 2 पर लिखा गया था, अब हटाया हुआ माना जाए। इसके फलस्वरूप श्री एन० एन० विनी का नाम बिना किसी विवधान के दिनांक 1 अगस्त, 1981 से सदस्यता रजिस्टर में निरल्तर जारी माना जाए।

आर० एल० चोपड़ा
सचिव

मदास, दिनांक 18 सितम्बर 1987

(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

मं० ३-ए० सी० ए० (8)/4/87-88—चार्टर्ड प्राप्त सेवाकार विनियम 1964 के विनियम 10(1) खण्ड (तीन) के अनुसरण में एतद द्वारा यह मूल्चित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किए प्रैक्टिस प्रमाण पत्र उनके आगे दी गई

तिथियों से रद्द कर दिए गए हैं क्योंकि वे अपने प्रैक्टिस प्रमाण पत्र को रद्दने के इच्छुक नहीं हैं।

| क्र० | सदस्यता संख्या | नाम एवं पता | दिनांक |
|------|-------------------|---|-----------|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | 12935 | श्री एम० बी० टपाडे, एफ० सी० ए०, फाईनेंस एम्जीकॉर्टिव, केसोराम- सीमेंट, बम्बन्तनगर- 505 187, करीमनगर डिस्ट० ए० पी० | 1-4-1987 |
| 2. | 15180 | श्री० के० एम० सुन्दरा- राजन, एफ०सी०ए०, सेंट्रल, एशिया बोर्डो- कॉ० लि०, 16/17, कालेज रोड, मद्रास-600 006 | 28-6-1987 |
| 3. | 18117 | श्री पी० एम० कंडास्वामी, १-४-१९८७ एफ० सी० ए०, ३३, डा० रंगचारी रोड, माइसापोर, मद्रास-600 004 | |
| 4. | 21440 | श्री एम० रामाभद्रन, ३०-६-१९८७ ए०सी०ए०, ३१, लोका स्कीम, ११ स्ट्रीट जवाहर नगर, मद्रास-600 082 | |
| 5. | 23168 | श्री आर० श्रीनिवासन, ३०-७-१९८७ ए०सी०ए०, २०/२, थिल्डेंगडम स्ट्रीट, राजा- अन्नामलाइ पुरम, मद्रास-600 028 | |
| 6. | 23510 | श्री सी० श्रीनिवास, ३१-३-१९८७ ए०सी०ए०, ए८० ए८० सी०-४, वेस्ट मरेडपल्सी, मिकन्दराबाद-500026 | |
| 7. | 24843 | श्री आर० बेकटेश, १-४-१९८७ ए०सी०ए०, १०, राधा- कृष्ण नगर मैन रोड, थिल्डेंगियुर, मद्रास-600 041 | |
| 8. | 25043 | श्री वाई० नारेस्वरा राव, १३-३-१९८७ ए०सी०ए०, एकाउन्ट्स- आफीमर, एफ० ए०जी०- बिल्स सैक्षण, ई०सी०- आई० एल०, ई० सी० आई० एल० पी०ओ०, हैदराबाद-500 762 | |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|-------|--|-----------|
| 9. | 25079 | श्री के० जी० मुरली, ए०सी०ए०, परोल जी०पी०ए०, अपार्टमेंट्स, 5, फ्लोर पैट्रोलियम हाउस, हिन्दुस्तान पैट्रोलियम- कारपोरेशन लि०, 17, जमशीदजी टाटा रोड, चर्च गेट, बम्बई-406 726 | 4-5-1987 |
| 10. | 25904 | श्री रवि पड़ाकी, ए०सी०ए०, एकाउन्टेन्ट, जौरी एयो कैमिकल्स लि०, जय किसान भवन, जौरी नगर, गोवा-406 726 | 1-7-1987 |
| 11. | 26362 | श्री ए० राजेन्द्रन, ए०सी०ए०, 62/2, फकीर साहिब इंडिट, सैकिंड लेन, क्रिप्लीकेन, मद्रास-600 005 | 30-7-1987 |

सं० ३-एस० सी० ए०(८) ५/८७-८८—रेग्लेशन १० (१) की धारा (४) जिसे आर्ट्ड एकाउन्टेन्ट्स के रेग्लेशन १९६४ के अधिनियम १०(२)(बी०) के साथ पढ़ा जाए, के अनुसार एतद्वारा सूचना दी जाती है कि निम्नलिखित सदस्यों को कार्य करने का प्रमाण-पत्र उनके आगे दी गई तिथियों से रद्द समझे जाएंगे क्योंकि उन्होंने कार्य प्रमाण-पत्र हेतु व्यापिक गुरुक का भुगतान नहीं किया था।

| क्र० | सदस्यता | नाम एवं पता | दिनांक |
|------|---------|--|----------|
| सं० | संख्या | | |
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 1. | 272 | श्री एस० वेंकटाकृष्णन, ए०सी०ए०, सी०-१३, सन्धानी स्ट्रीट, सुब्रामनिया नगर, सेलम-636 005 | 1-8-1984 |
| 2. | 20937 | श्री एम० अशोका, ए०सी०ए०, 32, वैस्ट- 350, साउथ साल्ट लेक- सिटी, उत्तांह-84115-4414, (यू०एस०ए०) | 1-8-1985 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|----|-------|--|----------|
| 3. | 23186 | श्री संजय परेख, ए०सी०ए०, केयर आफ श्री निर्मल कुमार परेख, डी०-३०८, सैकटर २बी, विधान नगर, दुर्गापुर-७१३ २१२ | 1-8-1986 |
| 4. | 23559 | श्री एस० राघवन, ए०सी०ए०, एल०-२३/३, सेन्ट्रल एवेन्यू, कोराटटुर, मद्रास-६०० ०८० | 1-8-1985 |
| 5. | 25085 | श्री टी० रवि, ए०सी०ए०, १९-सी, १० ब्लाक, नवेली-६०७ ८०१। | 1-8-1987 |

आर० एल० चोपड़ा
सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1987

सं० य०-16/53/86-चिकित्सा-2(गुजरात)---कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम 105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के सम्बन्ध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024(जी) दिनांक 23-5-83 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा अहमदाबाद केन्द्र के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए 16-6-1987 से 30-6-1988 की अवधि तक या पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो, चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में वर्तमान शर्तों के अनुसार कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

सं० य०-16/53/86-चिकित्सा-2 (गुजरात)---कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के सम्बन्ध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम की दिनांक 25 अप्रैल, 1951 को हुई बैठक में पास किए गए संकल्प के अनुसरण में तथा महानिदेशक के आदेश संख्या 1024(जी) दिनांक 23-5-83 द्वारा ये शक्तियां आगे मुझे सौंपी जाने पर मैं इसके द्वारा डा०रजनीकान्त टाकुरदास मरफतिया, गायत्री अपार्टमेंट, 10/411, गाधी चौक, सूरत-395003 को गुजरात राज्य के सूरत क्षेत्र के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के

प्रयोजन के लिए दिनांक 19-8-87 से 30-6-1988 तक के लिए, अथवा पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यभार ग्रहण करने तक, जो भी पूर्व हो, वर्तमान शर्तों पर ₹ 750/- प्रतिमास के पारिश्रमिक पर, चिकित्सा प्राधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

डा० वेद प्रकाश
चिकित्सा आयुक्त

एश्र-इंडिया

एश्र-इंडिया कर्मचारी सेवा विनियम

एच० क्य० 188-53 (सी०) —वायु निगम अधिनियम, 1953 (1953 का 27) की धारा 8 की (2) के साथ पठित धारा 45 द्वारा प्रदत्त गतियों का प्रयोग करते हुए, एश्र-इंडिया, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन भे एश्र-इंडिया कर्मचारी सेवा विनियम में संशोधन करने के लिए आगे निम्नलिखित विनियम बनाती है, नामतः

1. 1. इन विनियमों को एश्र-इंडिया कर्मचारी सेवा (संशोधन) विनियम, 1987 कहा जाएगा
2. ये विनियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रभावी होंगे।
2. एश्र-इंडिया कर्मचारी सेवा विनियम, 1963 में (जो इसके बाद उक्त विनियम के रूप में) वर्तमान विनियम 48 के लिए निम्नलिखित विनियम प्रतिस्थापित किया जाएगा।
 - (क) एक स्थायी कर्मचारी की सेवाएं बिना कोई कारण बताएं और बिना किसी पूर्व सूचना के समाप्त की जा सकती हैं, बशर्ते कि सेवा विनियम 42 के अन्तर्गत दुराचरण का मामला न बनता हो।
 - (i) यदि वह निगम की दूष्टि में (एश्र-इंडिया के निदेशक मंडल) निगम की निरन्तर सेवा के लिए अक्षम और अयोग्य पाया/यी जाती/ती है और इस प्रकार उसकी अक्षमता और अयोग्यता के कारण उसका सेवा में बना रहना निगम के हित के लिए हानिकर है, ऐसी स्थिति में भी उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

अथवा

यदि निगम की दूष्टि में (एश्र-इंडिया के निदेशक मंडल) उसका निरन्तर नीकरी में बना रहना निगम के हित के लिए गंभीर सुरक्षा जोखिम उत्पन्न करता है और उसके हित के लिए हानिकर है, तो ऐसी स्थिति में उसकी सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं।

अथवा

यदि निगम की दूष्टि में (एश्र-इंडिया के निदेशक मंडल) उसके द्वारा किए जाने वाले कार्य में गोपनीयता का अभाव है तो निगम के हित को ध्यान में रखते हुए उसकी सेवाओं को सत्काल समाप्त करना आवश्यक होगा।

(ख) परिवीक्षाधीन कर्मचारी की सेवाओं को बिना कोई कारण बताए समाप्त किया जा सकता है, किंतु निगम उसे 38 दिन की लिखित सूचना दे सकता है या उसके बदले में पतन।

(ग) एक अस्थायी कर्मचारी की सेवाओं को बिना कोई कारण बताए समाप्त किया जा सकता है, किंतु उसे 15 दिन की लिखित सूचना दे सकता है या उसके बदले में वेतन।

स्पष्टीकरण : इस विनियम के प्रयोजन के लिए 'वेतन' शब्द में सभी परिलक्षियां शामिल होंगी, जो उसे दी जाएंगी, यदि वह प्राधिकृत अवकाश पर है।

3. विनियम 44 के बाद, उपयुक्त विनियमों में निम्नलिखित विनियम को जोड़ा जाएगा, अर्थात्—

44(क) इन विनियमों में किसी भी चीज के होते हुए और यदि निगम की दूष्टि में (एश्र-इंडिया के निदेशक मंडल) इन विनियमों को प्रांसगिक प्रावधानों के अन्तर्गत जांच करना संभव अथवा व्यावहारिक नहीं है और निगम यदि संतुष्ट है कि संबंधित कर्मचारी दुराचरण का बोधी है, ऐसे दुराचरण के लिए संबंधित कर्मचारी को विनियम 43 में उल्लिखित दण्ड में से कोई एक दण्ड दे सकती है।

इस असाधारण शक्ति का प्रयोग करने के पूर्व बोर्ड संबंधित कर्मचारी को उसके दुराचरण के लिए 38 दिनों की पूर्व सूचना देगा और इस प्रकार के दुराचरण की जांच करना संभव या व्यावहारिक क्ष्यों नहीं है और बोर्ड द्वारा दी गई मजा के कारण बताएगा और इस प्रकार की नोटिस के उत्तर में कर्मचारी को बोर्ड के समक्ष पूर्ण लिखित अभ्यावेदन देने का हक होगा।

(ii) इस विनियम के अन्तर्गत कोई कार्यवाही तब तक नहीं की जाएगी जब तक कि बोर्ड संबंधित कर्मचारी द्वारा धारा(i) के प्रावधानों के अन्तर्गत सूचना अवधि के दौरान दिए गए अभ्यावेदन पर विचार नहीं कर लेता।

टिप्पणी—मुख्य विनियम तारीख 19-10-1963 की अधिसूचना द्वारा प्रकाशित।

भारत सरकार का राजपत्र 1963, भाग III खण्ड VI पृष्ठ 636 और 637।

एस० नारायणस्वामी,
सचिव

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
URBAN BANKS DEPARTMENT
"THE ARCADE" WORLD TRADE CENTRE

Bombay-400 005, the 25th September 1987

UBD. Reh. No. 192/D.4(268)-87/88.—In exercise of the powers conferred by Section 24A read with clause (qq) of Section 56 of Banking Regulation Act, 1949, the Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of Sections 81 and 24 read with Section 56 of the said Act shall not apply to the Vikram Co-operative Bank Ltd., Ahmedabad upto 30 June, 1988 in respect of its borrowings from Kalupur Commercial Co-operative Bank Ltd.

B. L. JAIN
Chief Officer

ORIENTAL BANK OF COMMERCE
(PERSONNEL DEPARTMENT)
HEAD OFFICE

New Delhi-110 001, the 25th August 1987

No. 3901.—In exercise of the powers conferred by Section 19 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Board of Directors of Oriental Bank of Commerce in consultation with the Reserve Bank of India and with the previous sanction of the Central Government hereby makes the following regulations further to amend the Oriental Bank of Commerce (Officers) Service Regulations, 1982.

2. Short title and commencement:— (1) These regulations may be called the Oriental Bank of Commerce (Officers) Service (Amendment) Regulations, 1982.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

3. Amendment to Regulation 5

(i) At the end of Regulation 5(1) the following proviso be added :

"Provided that, on and from 1-1-1985 those officers in Junior Management Grade Scale I and Middle Management Grade Scales II and III who reach the maximum of their pay scale shall be granted stagnation increments equivalent to the last increment for every five completed years of service after reaching the maximum in the respective scales, subject to a maximum of two such increments for Officers in Junior Management Grade Scale I and one such increment for officers in Middle Management Grade Scales II and III. In case of those officers who have completed more than 5 years of service at the maximum of the respective scales the first such stagnation increment will be granted effective from the date on which it falls due or from 1st January, 1985 whichever is later, but the second such increment shall be granted to those eligible not earlier than 1st January 1987."

(ii) At the end of Regulation 5(2) the following proviso be added :

"Provided that, on and from 1-2-1984 those officers who have reached the maximum of their pay scales, professional qualification allowance of Rs. 100/- p.m. shall be granted for passing part I of C.A.I.I.B. Examination after they complete one year at the maximum in the scale of pay and Rs. 200/- p.m. both parts of C.A.I.I.B. Examination after they complete two years at the maximum in the scale of pay."

Amendment to Regulation 22

Regulation 22(2) may be substituted by the following : On and from 1-2-1984, where an officer is not provided with residential accommodation by the Bank, he shall be eligible for house rent allowance being a sum equivalent to the

excess of the actual rent paid by him for his residential accommodation over 10% of the pay in the first stage of the scale of pay in which he is placed, such sum being subject to the following rates :

| Where the place of work is in | HRA payable shall be |
|--|--|
| (i) Major 'A' Class Cities specified as such from time to time by the Board in accordance with the guidelines of the Government and Project Area Centres in Group 'A'. | 17-1/2% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 500/- p.m. |
| (ii) Area I not Covered by item (i) above and project area Centres in Group 'B'. | 15% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 400/- P. M. |
| (iii) Area II and State Capitals and capitals of Union Territories not covered by (i) and (ii) above. | 12-1/2% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 300/- p. m. |
| (iv) Area III | 10% of the basic pay subject to a maximum of Rs. 250/- p. m. |

Note : House Rent Allowance as above shall be paid on production of rent receipts, except that an officer may claim houserent allowance on certificate basis at the above rates subject to maximum as under :—

| | |
|---|-------------------|
| Major 'A' Class cities and project Area Centres In Groups 'A' | Maximum Rs.275/- |
| Other Places in Area I and project Area Centres In Group 'B' | Maximum Rs.225/- |
| Area II and State Capitals and Capitals of Union Territories | Maximum Rs.165/- |
| Area III | Rs. 110/- (fixed) |

Amendment to Regulation 23

(i) Regulation 23(iv) may be substituted by the following :

"On and from 1-1-1987, if an officer is transferred from one place to another in the midst of an academic year and if he has one or more children studying in school or college, in the former place, a mid-academic year transfer allowance of Rs. 150/- p.m. from the date he reports to the later place upto the end of the academic year in respect of all the children, provided that such allowance shall cease if all the children cease studying at the former place."

(ii) Regulation 23(vi) may be substituted by the following :

"On and from 1-1-1985, if he is required to officiate in a post in a higher scale for continuous period of not less than 7 days at a time or an aggregate of 7 days during a calendar month, he shall receive an officiating allowance equal to 10% of his pay, subject to a maximum of Rs. 250/- p.m. for the period for which he officiates. Officiating Allowance will rank as pay for purpose of Provident Fund and not for other purposes.

Provided that where an officer comes to officiate in a higher scale, as a consequence solely of the review of the categorisation of posts under Regulation 6, he shall not be eligible for the Officiating Allowance for a period of one year from the date on which the review of the categorisation taken effect."

(iii) Regulation 23(x) may be substituted by the following :

On and from 1-1-1985, if he is serving in a place mentioned in column 1 of the Table below, a Hill

and Fuel allowance at the rate mentioned in column 2 thereof against that place :

TABLE

| Place | Rates |
|--|---|
| 1 | 2 |
| Offices at altitudes of and over 1500 metres above Mean sea level | 10% of pay subject to a maximum of Rs. 130/- p.m. |
| Offices at altitudes of and over 1000 metres but below 1500 metres above Mean Sea level. | 8% of pay subject to a maximum of Rs.100/- p.m. |

Amendment to Regulation 24

In Regulation 24(1)(b), clause (v) may be added after clause (iv) as under :—

"On and from 1-1-1987, medical expenses incurred in respect of the following diseases which need domiciliary treatment as may be certified by the recognised hospital authorities and bank's medical officer shall be deemed as hospitalisation expenses and reimbursed to the extent of 75% in the case of an officer and 50% in the case of his family members :

Cancer, Tuberculosis, paralysis, Cardiac Ailment, Tumour, Small Pox, Pleuresy, Diphteria, Leprosy, Kidney Ailment."

Amendment to Regulation 42

(i) Regulation 42(2)(ii), may be substituted by the following :

"On and from 1-1-1987 if an officer eligible for full wagon avails of the facility of 'Container Service' by railways, he will be reimbursed actual charges for one container if he is in Junior or Middle Management Grade and for two containers if he is in Senior or Top Management Grade. If the baggage is transported by road between places connected by rail, the reimbursement will be limited to the actual freight charges against submission of bills subject to the cost not exceeding the cost of transport of the maximum permissible quantity by goods train. If there is no railway station or railway out-agency at the old or new place of posting, the officer will be paid the actual cost of transporting the baggage by road up to the nearest railway station or railway-out-agency. If both the places do not have railway station/out-agency, the officer will be paid actual cost of transporting the baggage by road upto the stipulated weights by an approved transport operator."

(ii) Regulation 42(3) may be substituted by the following :

On and from 1-1-1987, an officer on transfer will be eligible to draw a lump sum amount as indicated below for expenses connected with packing, local transportation, insuring the baggage etc.

| Grade | Lump Sum |
|---|------------|
| Top Management & Senior Management | Rs. 1500/- |
| Middle Management and Junior Management | Rs. 1000/- |

Amendment to Regulation 44

Regulation 44(ii) may be substituted by the following :

"On and from 1-1-1987 once in every four years, when an officer avails of Leave Travel Concession, he may be permitted to surrender and encash his Privilege Leave not exceeding one month at a time. For the purpose of leave encashment all the emoluments payable for the month during which the

availment of the Leave Travel Concession commences shall be admissible.

Provided that an officer at his option shall be permitted to encash one day's additional privilege leave for donation to the Prime Minister's Relief Fund subject to his giving a letter to the Bank to that effect and authorising the Bank to remit the amount to the Fund."

O. P. MAHAJAN
Chief Manager (Per.)

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110002, the 18th September 1987
(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3CCA(8) /8/87-88.—In pursuance of Regulation 10(i) (ii) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued due to inadvertence to Shri Ashok Sabikh (M. No. 72319), 118/131, Kaushal Puri, Bamba Road, Kanpur-208012 has been cancelled w.e.f. 28-7-1986.

The 25th September 1987
CORRIGENDUM

No. 3ECA(5) /7/87-88.—In Notification No. 3ECA(4) /10/86-87 dated 27-2-1987 removing the names of Members with effect from 1-8-1986 on account of non-payment of prescribed membership fees, the name of Shri Prabir Kumar Das (M. No. 13618), 309, B. B. Ganguly Street, Calcutta-700012, included at S. No. 18 be treated as deleted. In consequence thereof the name of Shri Prabir Kumar Das continues to be borne on the Register of Members without any break effective from 1st August, 1986.

No. 3ECA(5) /8/87-88.—In Notification No. 4ECA(3) /82-83 dated 13-8-1982 removing the names of Members with effect from 1-8-1981 on account of non-payment of prescribed membership fees, the name of Shri N. N. Kini (M. No. 15769), 75-B, Satish Mukherjee Road, Calcutta-700026 included at S. No. 2 be treated as deleted. In consequence thereof the name of Shri N. N. Kini continues to be borne on the Register of Members without any break effective from 1st August, 1981.

R. L. CHOPRA
Secretary

Madras-600034, the 18th September 1987
(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3-SCA (8) /4/87-88.—In pursuance of Clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members have been cancelled from the dates mentioned against their names as they do not desire to hold their Certificate of Practice.

| S. No. | M. No. | Name & Address | Dates |
|--------|--------|---|------------|
| 1 | 2 | 2 | 4 |
| 1. | 12935 | Shri S. V. Tapade, F.C.A. Finance Executive Kesoram Cement Basantnagar 505187 Karimnagar Distt., A.P. | 01-04-1987 |
| 2. | 15180 | Shri K.S. Sundararajan, F.C.A. Secretary Asia Tobacco Co. Ltd. 16/17, College Road, Madras 600006. | 28-06-1987 |
| 3. | 18117 | Shri P. M. Kandaswamy, FCA 33, Dr. Rangachari Road Malapore Madras 600004. | 01-04-1987 |

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|-----|-------|---|-----------|
| 4. | 21440 | Shri M. Ramabhadran, AAC 31, Loco Scheme II street-Jawahar Nagar Madras 600082 | 30-6-1987 |
| 5. | 23168 | Shri. R. Srinivasan, ACA 20/2, Thiruvengadani Street Raja Annamalai Puram Madras 600 028. | 30-7-1987 |
| 6. | 23510 | Shri C. Srinivas, ACA SMC4 West Marredpally Secunderabad 500026 | 31-3-1987 |
| 7. | 24843 | Shri R. Venkatesh, ACA 10, Radhakrishna Nagar Main Road Thiruvanmiyur Madras 600041 | 1-4-1987 |
| 8. | 25043 | Shri Y. Nageswara Rao, ACA Accounts Officer FAG-Bills Section ECIL-FCIL PO Hyderabad 500762 | 13-3-1987 |
| 9. | 25079 | Shri K. G. Murali, ACA Payroll GPF Apartment 5th Floor—Petroleum House Hindustan Petroleum Corp. Ltd. 17, Jamshedji Tata Road Church gate Bombay 400020 | 4-5-1987 |
| 10. | 25904 | Shri Ravi Padaki, ACA Accountant Zuari Agro Chemicals Ltd. Jai Kissan Bhawan Zuari Nagar Goa - 406726 | 1-7-1987 |
| 11. | 26362 | Shri A. Rajendran, ACA 62/2, Fakir Sahib Street Second Lane Triplicane Madras 600005 | 30-7-1987 |

No. 35CA(8)/5/8-88 : In pursuance of Regulation 10 (1) (iv) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members have been cancelled with effect from dates mentioned against their names, as they had not paid their annual fees for certificate of practice.

| S. No. | M. No. | Name & Address | Dates |
|--------|--------|--|----------|
| 1. | 272 | Shri S. Venkatakrishnan, ACA C-13, Sannadhi Street Subramania Nagar Salem-636005 | 1-8-1984 |
| 2. | 20937 | Shri M. Ashoka, ACA 32, West 350, South Salt Lake City UTAH 84115-4414 U.S.A. | 1-8-1985 |
| 3. | 23186 | Shri Sanjay Parekh, ACA C/o Shri Nirmal Kumar Parekh D-308, Sector 2B Bidhan Nagar Durgapur 713212 | 1-8-1986 |
| 4. | 23559 | Shri S. Raghavan, ACA L-23/3, Central Avenue Korattur Madras 600080 | 1-8-1985 |
| 5. | 25085 | Shri T. Ravi ACA 19-C, 10th Block Neyveli 607801 | 1-8-1987 |

R. L. CHOPRA
Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 28th September 1987

No. U-16/53/86-Med-II(Guj).—In pursuance of the Resolution passed at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulations, 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. M. J. Patel, A/3, Woodland Apartment, Ahmedabad, to function as medical authority for areas in Ahmedabad centre with effect from 16-6-1987, for a further period upto 30-6-1988, or till a Full-Time Medical Referee joins, whichever is earlier, on the existing terms and conditions, for the purpose of medical examination of the Insured Persons and grant of further certificates to them when the correctness of original certificates is in doubt.

No. U-16/53/86-Med-II(Guj).—In pursuance of Resolution passed at its meeting held on 25th April, 1951, conferring upon the Director General the powers of the Corporation under Regulation 105 of the ESI (General) Regulations, 1950, and such powers having been further delegated to me vide Director General's Order No. 1024(G) dated 23-5-1983, I hereby authorise Dr. Rajnikant Thakardas Marfatia, Gayatari Apartment, 10/411, Gandhi Chowk, Surat-395003, to function as medical authority for Surat Centre in Gujarat with effect from 19-8-1987, for a further period upto 30-6-1988, or till a Full Time Medical Referee joins, whichever is earlier, on the existing terms and conditions, at the rate of Rs. 750/- per month consolidated, for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to them when the correctness of the original certificates is in doubt.

DR. VED PRAKASH
Medical Commissioner

AIR INDIA

AIR-INDIA EMPLOYEES SERVICE REGULATION

HQ/100-53(C).—In exercise of the powers conferred by Section 45, read with sub-section (2) of Section 8 of the Air Corporations Act, 1953 (27 of 1953), Air-India, with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following Regulations further to amend the Air-India Employees' Service Regulations, namely :—

1. (i) These Regulations shall be called the Air-India Employees' Service (Amendment) Regulations, 1987.

(ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the All-India Employees' Service Regulations, 1963 (hereinafter referred to as the said Regulations), for the existing Regulation 48, the following Regulation shall be substituted :—

(a) The services of a permanent employee may be terminated without assigning any reasons to him/her and without any prior notice but only on the following grounds not amounting to misconduct under Service Regulation 42, namely :—

(i) if he/she is, in the opinion of the Corporation (the Board of Directors of Air-India) incompetent and unsuitable for continued employment with the Corporation and such incompetence and unsuitability is such as to make his/her continuance in employment detrimental to the interests of the Corporation;

OR

if his/her continuance in employment constitutes, in the opinion of the Corporation (the Board of Directors of Air-India), a grave security risk making his/her continuance in

service detrimental to the interests of the Corporation;

OR

if, in the opinion of the Corporation (the Board of Directors of Air-India), there is such a justifiable lack of confidence which, having regard to the nature of duties performed, would make it necessary, in the interest of the Corporation, to immediately terminate his/her services,

- (b) The services of an employee on probation may be terminated without assigning any reason to him/her but on giving 30 days notice in writing or pay in lieu thereof.
- (c) the services of a temporary employee may be terminated without assigning any reasons to him/her but on giving 15 days notice in writing or pay in lieu thereof.

Explanation : For the purpose of this Regulation, the word 'pay' shall include all emoluments which would be admissible if he were on privilege leave.

3. In the said Regulations after Regulation 44, the following Regulation shall be added namely :—

44(A) (i) Notwithstanding anything contained in these Regulations and if, in the opinion of the Corporation (the Board of Directors of Air-India),

it is not possible or practicable to hold an enquiry under the relevant provisions of these Regulations, the Corporation may, if satisfied that the employee has been guilty of any act of misconduct, impose in respect of such misconduct, any one of the punishments mentioned in Regulation 43 on the employee concerned.

Provided that before exercising this extraordinary power, the Board shall give 30 days prior notice to the employee concerned of the act of misconduct and the reasons why it is not possible or practicable to hold an enquiry into such misconduct, and the punishment proposed by the Board, and the employee shall be entitled to make a full written representation to the Board in response to such notice.

- (ii) No action shall be taken under this Regulation until the Board has taken into consideration the representation made by the concerned employee under the proviso to section (i) within the notice period.

Note : Principal Regulation published vide Notification dated 19-10-1963.

Gazette of India 1963, Part III, Section IV, Pages 636 & 637.

S. NARAYANSWAMY, Secy.